बुधवार
25 सितम्बर 2024

पृष्ठ 4

बच्चियों को त्वचा की देखभाल के लिए...

पृष्ठ 5

मौनी रॉय के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर..

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 227
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

एक गर्मजोशी भरी मुस्कान दयालुता की सार्वभौमिक भाषा है।
– विलियम आर्थर वार्ड

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आखिरकार बच गया सेंट जोसेफ स्कूल का अस्तित्व

सरकार नहीं लेगी जमीन वापस

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून के जाने माने स्कूल सेंट जोसेफ स्कूल से सरकार अब 99 साल पहले लीज पर दी गयी भूमि को वापस नहीं लेगी। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी द्वारा अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद इस आशय के आदेश जारी कर दिये गये है। आवास विभाग को स्कूल की लीज के नवीनीकरण के आदेश देने के साथ स्कूल प्रशासन को भी निर्देश दिये गये है कि वह छात्रों एंव अभिभावकों के वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था भी स्कूल परिसर में ही करेगा। जिससे सुभाष रोड और राजपुर रोड पर जाम की स्थिति पैदा न हो।

उल्लेखनीय है कि बीते कल प्रशासन की टीम सेंट जोसिफ स्कूल पहुंची थी तथा जमीन की नाप जोख की गयी थी। सचिवालय और पुलिस मुख्यालय के नजदीक स्थित इस पुराने और जाने माने स्कूल को 1974 में 99 साल के लिए नजूल की भूमि लीज पर दी गयी थी। स्कूल में चार हजार के आस-पास छात्र छात्राएं पढ़ते है। तथा स्कूल का शिक्षा

के क्षेत्र में एक बेहतरीन रिकार्ड रहा है। स्कूल से पढ़ाई करने वाले छात्र छात्राए सिविल सेवा और सैन्य सेवा क्षेत्र में बड़े बड़े पदो तक पहुंचने में सफल रहे है।

स्कूल की जमीन की लीज अवधि अप्रैल में समाप्त होने वाली थी तथा

●मुख्य सचिव ने दिये लीज नवीनीकरण के निर्देश
●स्कूल परिसर में होंगे छात्रों व अभिभावकों के वाहन पार्क

स्कूल प्रशासन द्वारा आवास विकास से मार्च माह में ही लीज के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया गया था लेकिन इसकी लीज अवधि नहीं बढ़ाई गयी। सरकार द्वारा अब इस जमीन को वापस लेने और उसका इस्तेमाल रोड चौड़करण तथा पार्किंग बनाने के लिए किये जाने की योजना बनाई गयी थी। कल प्रशासन की टीम द्वारा जब नापतोल की गयी तो स्कूल का खेल मैदान जाने का मामला सामने आने से स्कूल का अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया था। एक अच्छा स्कूल बनाने में सैकड़ों साल लग जाते है। इसके पीछे सरकार की क्या मंशा थी यह तो सरकार ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दुष्कर्म का आरोपी भाजपा नेता मुकेश बोरा गिरफ्तार

विशेष संवाददाता

देहरादून। नैनीताल डेयरी संघ के अध्यक्ष और भाजपा के निष्कासित नेता मुकेश बोरा को पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीते 1 सितंबर से फरार चल रहे मुकेश बोरा पर डेयरी में संविदा पर काम करने वाली महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। बोरा के बारे में उत्तराखंड पुलिस को राज्य से बाहर चले जाने की जानकारी 19 सितंबर को मिली थी। जानकारी के अनुसार मुकेश बोरा अपने कुछ नजदीकियों के जरिए पुलिस के एक्शन और प्लान पर नजर बनाए हुए था।

लंबे समय से चल रहा था फरार, हाई कोर्ट से भी नहीं मिली थी राहत

पुलिस द्वारा अभी बीते दिनों उसके चार सहयोगियों से भी जानकारी हासिल की गई थी तथा उनके फोन की जांच में यह बात सामने आई थी कि वह राज्य से बाहर रहकर अपने इस केस से जुड़ी हर एक जानकारी ले रहा था।

पुलिस द्वारा कल ही उसकी तलाश में तीन टीमों को दिल्ली, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश भेजा गया था। जानकारी के अनुसार मुकेश बोरा को यूपी के रामपुर से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी मिली है। ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

ट्रक के पीछे घुस गई तेज रफ्तार कार, 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली। गुजरात के साबरकांठा जिले में भीषण सड़क हादसे की खबर आई है। इस घटना में 7 लोगों की मौत हो गई है। कार में सवार कुछ लोग श्यामला जी मंदिर का दर्शन करके अहमदाबाद लौट रहे थे। तभी उनकी कार पीछे से एक ट्रक में घुस गई। इस घटना में 7 लोगों की मौत हो गई है और एक शख्स के घायल होने की खबर है। हादसे के बाद कार में सवार लोग बड़ी मुश्किल से बाहर निकाले गए। कार को कटर से काटकर उन्हें बाहर निकाला गया। बता दें कि कार के अंदर कुल आठ लोग सवार थे, जिसमें से एक शख्स के अलावा सभी मौके पर मारे गए। हादसे के बाद कार की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि कार की स्पीड ज्यादा थी। ट्रक में घुसने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। कार के अंदर फंसी लाशों को निकालने के लिए दमकल विभाग को कटर का उपयोग करना पड़ा। इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग अहमदाबाद के रहने वाले थे। हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ।

जहां जहां कांग्रेस ने पैर रखा, वहीं भ्रष्टाचारः पीएम मोदी

सोनीपत । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हरियाणा के सोनीपत में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी बताया। उन्होंने कहा कि जहां जहां कांग्रेस ने पैर रखा वहीं भ्रष्टाचार। पीएम ने कहा कि दलालों और दामादों से कमल ही बचाएगा। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर किसानों की जमीनें दबाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है और जब हाईकमान भ्रष्टाचारी होता है, तो नीचे लूट का खुला लाइसेंस मिल ही जाता है। याद कीजिए, 10 साल पहले जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी, तब कैसे प्रदेश को लूटा गया था। यहां किसानों की जमीनों को लूटा गया, प्रदेश को दलालों और

दामादों के हवाले कर दिया था।

उन्होंने आप भी जानते हैं, जहां भी कांग्रेस को मौका मिला, जहां-जहां कांग्रेस ने पैर रखा, वहां भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद पक्का है। भारत के सरकारी सिस्टम में भ्रष्टाचार पैदा करने वाली, पालने-पोषने वाली कांग्रेस है। राज्य में भाजपा राज की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा की धरती से बने उत्पाद आज दुनिया के बाजारों में पहुंच रहे हैं, यही है नए भारत की ताकत।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 साल में पूरी दुनिया में भारत पर भरोसा बढ़ा है, विश्वास हुआ है कि अब भारत, भ्रष्टाचार, परिवारवाद से मुक्त होकर तरक्की कर रहा है। दुनिया को लगता है कि आने वाले समय में कोई देश सबसे तेज आगे बढ़ेगा, तो वो भारत है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में निवेश के लिए यहां अपनी फैक्ट्रियां लगाने के लिए आतुर हैं। जरा सोचिए, जब इतनी बड़ी कंपनियां भारत में निवेश करेंगी तो बहुत अधिक फायदा मेरे हरियाणा को होगा, यहां के नौजवानों व किसानों को होगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

लड़ाते रहो

आजाद भारत में आज यह सवाल सबसे अहम होकर रह गया कि देश के नेता आखिर कब तक धर्म और सांप्रदायिक मुद्दों पर अपनी राजनीति चमकाते रहेंगे। अभी हाल ही में उड़ीसा के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलाने का जो मामला सामने आया है वह वास्तव में धार्मिक भावनाओं को झकझोरने वाला है। खास बात यह है कि तिरुपति के बाद मथुरा और वृंदावन के मंदिरों में भी प्रसाद में इसी तरह अशुद्धीकरण की खबरें आ रही है। इन आरोपों के बारे में भले ही पुस्ट रूप से कुछ भी कहा जाना संभव न सही लेकिन यह तथाकथित खबरें सच है तब भी और झूठ है तब भी इनके दुष्परिणामों को कम नहीं किया जा सकता है। इन खबरों के सामने आने से कुछ नेता और राजनीतिक दल अपने बचाव का रास्ता तलाश रहे हैं तो वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो इन खबरों में अपने राजनीतिक भविष्य की संभावनाएं तलाश कर रहे हैं। उड़ीसा के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आरोप लगाए जा रहे हैं कि वह अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इतने नीचे गिर चुके हैं। जन सेवा के संस्थापक पवन कल्याण तो उसे लेकर इतनी आग बबूला है कि उन्होंने तिरुपति देवस्थानम को बंद करने की बात कहते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सनातन धर्म रक्षण बोर्ड का गठन करने और देशभर के हिंदू धार्मिक स्थलों की जिम्मेदारी उसे सौंपने तक की मांग कर दी गई। यही नहीं सुब्रमण्यम स्वामी और वाई वी सुब्बा रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी देकर इस मामले की कोर्ट की निगरानी में जांच करने की मांग की है। इसमें कोई संदेह की बात नहीं है कि धार्मिक स्थल और आस्था का सवाल सबसे अधिक संवेदनशील मुद्दा है। इस अति संवेदनशील मुद्दे पर देश के नेताओं द्वारा किस स्तर की राजनीति की जा रही है इसे बताने की कोई जरूरत भी नहीं है। इस मुद्दे को खड़ा करके कितनी आसानी से राजनीतिक सफलता को हासिल किया जा सकता है इसके लिए किसी प्रमाण की जरूरत नहीं है। आस्था से जुड़े मुद्दों पर वोटो का ध्रुवीकरण सबसे आसान काम है आज एक साथ अगर उड़ीसा से लेकर उत्तर प्रदेश तक मंदिरों के प्रसाद में पशुओं की चर्बी मिलाकर अपवित्र करने की बात की जा रही है तो यह बेवजह नहीं मानी जा सकती है इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र है या फिर यह सनातन की आस्था पर कोई प्रहार है। इसकी जांच कराकर इसकी हकीकत को जानना जरूरी है। अन्यथा इसके दूरगामी परिणाम गंभीर भी हो सकते हैं। जाति धर्म के नाम पर समाज को टुकड़ों टुकड़ों में बांटने तथा समाज में भय और हिंसा का माहौल तैयार नहीं किया जाना चाहिए। भारत को अनेकता में एकता की अपनी संस्कृति के लिए एक अलग पहचान मिलती है। विभिन्न धर्मो पंथों और जातीय वाले इस देश में सभी नागरिकों को देश का संविधान समानता का अधिकार देता है। सभी धर्म और जाति को अपने रीति-रिवाज धर्म के अनुरूप पूजा पाठ का अधिकार है लेकिन इसके साथ ही सभी धर्म और संप्रदायों को एक दूसरे का सम्मान करने की भी व्यवस्था है। लेकिन अपने निजी स्वार्थों के लिए समय-समय पर नेताओं और राजनीतिक दलों के अलावा कुछ अराजक और राष्ट्रीय विरोधी तत्वों द्वारा सामाजिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के प्रयास भी किए जाते रहते हैं जो न तो संवैधानिक और न सामाजिक लिहाज से किसी के लिए हितकर होते हैं। हो सकता है कि तात्कालिक रूप से किसी को कुछ नुकसान या फायदा हो जाता हो लेकिन राष्ट्र को तथा समाज को अंतिम रूप से इसका सिर्फ नुकसान ही होता है क्योंकि देश की एकता और अखंडता तथा सांप्रदायिक सौहार्द्ध के वातावरण में ही कोई राष्ट्र व समाज समृद्ध हो सकता है।

महिला कांग्रेस व महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। महिला कांग्रेस ने महिला स्वंय सहायता समूह की महिलाओं के साथ सचिवालय कूच किया।

आज यहां प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला के नेतृत्व में आज महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन करते हुए सचिवालय घेराव किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत महिला कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्वयं सहायता समूहों की महिला कार्यकर्ता बडी संख्या में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एकत्र हुए जहां से उन्होंने प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती श्रीमती ज्योति रौतेला के नेतृत्व में प्रदर्शन के साथ कूच करते हुए सचिवालय घेराव करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। इस अवसर पर महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा एक ओर जहां महिला सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने की बात की जाती है वहीं राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय से स्वरोजगार की दृष्टि से पोषाहार राशन योजना के तहत वितरित की जाने वाली राशन को अब भारत सरकार के स्वामित्व वाले संस्थान एन.सी.सी.एफ. के माध्यम से वितरित किये जाने की योजना बनाई जा रही है जो कि कतई तर्क संगत प्रतीत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य में संचालित लगभग 10 हजार महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा वर्ष 2013 से राज्य के महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं 6 माह से 3 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पौष्टिक आहार वितरण कराने का कार्य किया जा रहा है।

इस योजना से प्रदेशभर के लगभग 9 लाख लोग लाभान्वित हो रहे है तथा टी.एच.आर. योजना से 2 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। उत्तराखंड राज्य महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों से टी.एच.आर. का कार्य छीनकर माह अप्रैल 2021 में ईश्व्रटेंडरिंग के माध्यम से बड़े ठेकेदारों को यह कार्य सौंपे जाने के लिए निविदायें जारी कर दी गई थी, जिसके विरुद्ध राज्य के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा आंदोलन करने के साथ ही उच्च न्यायालय की शरण ली गई। ज्योति रौतेला ने कहा कि 2014 से टेक होम राशन का काम स्वयं सहायता समूहों को दिया जाने लगा था और 2022 से टेक होम राशन के वितरण का काम स्वयं सहायता समूहों से लेकर फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया से करवाना शुरू कर दिया गया। वर्ष 2021 में करीब 40,000 से ज्यादा महिलाओं के स्वरोजगार पर इस टेंडर प्रणाली के चलते खतरा मंडरा रहा था परन्तु हाईकोर्ट के आदेश से स्वयं सहायता समूह को थोड़ी राहत मिली थी।

सचिवालय घेराव कार्यक्रम में नजमा खान, आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा, उर्मिला थापा, चन्द्रकला नेगी, पुष्पा पंवार, निधि नेगी, पूनम सिंह, अंशुल त्यागी, अनुराधा तिवारी, अमृता कौशल, रीता नेगी, कोमल, फरजाना, निर्मला, भूरी, नन्दा, पिंकी, मीतू, रीना आदि अनेक महिलाएं शामिल थी।

गोल्डन कार्ड योजना में पेंशनरों को जोडने का मौका दिए जाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड पेंशनर्स समन्वय समिति ने गोल्डनकार्ड योजना में पेंशनरों को दोबारा जोडने की मांग की।

आज यहां उत्तराखंड पेंशनर्स समन्वय समिति की ओर से समीति के सदस्य सचिव सुशील त्यागी ने मुख्यमंत्री, मुख्यसचिव, प्राधिकरण अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में उक्त मांग करते हुए कहा है की यह योजना पेंशनर्स तथा कार्मिकों की पेंशन से काटी गई निर्धारित राशि से संचालित है।विगत वर्ष उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुक्रम में लगभग 30 हजार पेंशनर्स ने योजना में शामिल न होने का विकल्प दिया था। परन्तु योजना से बाहर हुए गंभीर रोगों से ग्रस्त कुछ पेंशनर्स इसलिए मौत के शिकार हुए क्योंकि स्वेच्छा से योजना से बाहर होने के कारण ये उच्च स्तरीय चिकित्साओं का लाभ नहीं ले पाये।अब हजारों पेंशनर दोबारा विकल्प भरकर योजना में शामिल होने का आग्रह कर रहे हैं। इनकी मांग है की योजना में शामिल होने की तिथि से हर माह अपनी पेंशन से निर्धारित राशि कटा कर प्राधिकरण को भुगतान करेगें।

योजना से दोबारा जुड़ने पर इनको सरकारी तथा सम्बद्ध निजी चिकित्सालयों में आईपीडी तथा जल्द शुरू होने जा रही कैशलैस ओपीडी की सुविधाएं मिल सकेंगी।इसलिए आशा है की दीपावली से पहले ही संशोधित शासनादेश जारी कर सरकार पेंशनर्स को खुशियां देगी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने अजीत नगर गुरूद्वारे के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 बोतल शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेन्द्र कुमार चौधरी पुत्र बृजपाल निवासी अजीत नगर बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने जंगलात बैरियर के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रोक उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 90 पव्वे शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सुरजीत सिंह पुत्र झल सिंह निवासी शाहपुर पथरी हरिद्वार बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यस्येक्ष्वाकुरुप व्रते रेवान्मराय्येधते।
दिवीव पञ्च कृष्टयः ।।

।। ऋग्वेद १०-६०-४ ।।

हम समस्त संसार के शासक से अपनी निकटता बढ़ाएं जिसके अनुशासन में सभी वर्गों के मनुष्य अपने-अपने क्षेत्र में कर्मों अनुसार सुखपूर्वक स्वतंत्रता से रहते हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निकाली प्रदेश भाजपा सरकार की शव यात्रा

संवाददाता

देहरादून। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की शव यात्रा निकाली। जिसके बाद पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने युवा कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष मोहित मेहता के नेतृत्व में भाजपा सरकार कि शव यात्रा निकाली। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस कार्यकर्ता बडी संख्या में प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में एकत्रित हुए। जहां से मोहित मेहता के नेतृत्व में नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार की शव यात्रा लेकर एस्ले हॉल चौक की ओर बढ़ने लगे, जिसे पुलिस प्रशासन द्वारा छीनने का प्रयास किया गया, अर्थी को क्षत विक्षत कर दिया गया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मार पीट और बर्बरता की गई। धामी राज में युवाओं की आवाज दबाने का काम किया जा रहा है।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस महासचिव स्वाति नेगी ने राज्य में महिलाओं के विरुद्ध अपराध और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही सरकार को मृत घोषित करते हुये प्रदेश के यूवाओं के जनजागरण का आहवान किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे युवा कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मोहित मेहता ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य सीमित आय वाला राज्य है। जहां एक ओर राज्य में बेरोजगारों की फौज खड़ी हो रही है वहीं भाजपा सरकार के मंत्री भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भ्रष्टाचार को खत्म करने की मंशा रखते हैं तो उन्हें जांच करवा कर कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस द्वारा भारी संख्या में कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया जिसमे देहरादून जिला अध्यक्ष मोहित मेहता मोनी,जिला प्रभारी नवीन रमोला,मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी,अमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष अंकित थापा, वसीम, राहुल चौहान, अनिमेष इत्यादि पुलिस के वाहन में ले जाए गए। कार्यक्रम में मुख्यता: पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, संगठन सचिव नवनीत सती, प्रदेश महासचिव स्वाति नेगी, रोबिन त्यागी, फारूक राव, विधानसभा अध्यक्ष वसीम, शुभम चौहान, गौरव रावत, अमन सिंह, ट्विंकल अरोड़ा, अर्जुन सोनकर, मोहन काला, सेलमा अली, अभिषेक मेहता, अमन उज्जैनवाल, कृष्ट, आर्यमन, रौनक, आशु, दीपक, जैद, अंशु, आदि लोग मोजूद रहे।

ग्लीसरीन रोज़वॉटर और नींबू का चमत्कारी प्रभाव

ग्लीसरीन, रोज़वॉटर और नींबू के इस अद्भुत मिश्रण के बारे में तो आपने खूब सुना होगा। ये मिश्रण त्वचा के पर चमत्कारी प्रभाव छोड़ते हैं और चेहरे की हर समस्या से निजात दिलाते हैं। कहते हैं कि रोज़वॉटर यानी गुलाबजल को रोजाना प्रयोग करना चाहिये क्योंकि इसमें प्रोटीन और अन्य तत्व मौजूद होते हैं जिससे त्वचा साफ बनती है और अंदर से निखार आता है। आज बोल्डस्काई ग्लीसरीन, रोज़वॉटर और नींबू के मिश्रण के फायदों के बारे में आपको जानकारी देने वाला है। इन प्राकृतिक मिश्रणों को मिला कर चेहरे पर लगाइये और नेचुरली खूबसूरत दिखिये। आइये जानते हैं इसका प्रयोग कैसे किया जा सकता है फेस स्प्रे बनाएं इसे बनाने के लिये 2० द्वद्य रोज़वॉटर, 2 बूंद ग्लीसरीन और 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं और एयर टाइट शीशी में भर कर रख लें। जब भी आपकी त्वचा ड्राई लगे तब इससे चेहरे पर स्प्रे कर लें। आप इसे फाउंडेशन लगाने के बाद भी स्प्रे कर सकती हैं, जिससे चेहरे पर स्मूथ फिनिशिंग आ जाएगी। क्लींजर

इसे बनाने के लिये 1 छोट चम्मच ग्लीसरीन, 1 चम्मच नींबू और 1 चम्मच रोज वॉटर मिक्स करें। इससे आप चेहरे को साफ करें लेकिन इसे लगाने के बाद चेहरे पर कोई भी रसायन युक्त प्रोडक्ट ना यूज़ करें। स्क्रब क्या आपकी स्किन ड्राई और पीली दिखती है इस समस्या से छुटकारा पाने के लिये ग्लीसरीन, रोजवॉटर और नींबू का रस मिलाइये और उसके साथ थोड़ी सी दरदरी शक्कर भी मिक्स कर लीजिये। इस पेस्ट को हफ्ते में चेहरे पर लगा कर स्क्रब कीजिये। इससे डेड स्किन हट जाएगी और नई तथा बेदाग त्वचा सामने आएगी। स्क्रब क्या आपकी स्किन ड्राई और पीली दिखती है इस समस्या से छुटकारा पाने के लिये ग्लीसरीन, रोजवॉटर और नींबू का रस मिलाइये और उसके साथ थोड़ी सी दरदरी शक्कर भी मिक्स कर लीजिये। इस पेस्ट को हफ्ते में चेहरे पर लगा कर स्क्रब कीजिये। इससे डेड स्किन हट जाएगी और नई तथा बेदाग त्वचा सामने आएगी। मास्क इस तीनों चीज़ों का मास्क बना कर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर नमी आती है। मास्क हमेशा गाढ़ा होना चाहिये। इसको लगाने से चेहरे पर मुंहासे भी कम होने शुरु हो जाएंगे क्योंकि यह मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया का नाश करता है। मॉइस्चराइजर इस मिश्रण में सबसे महत्वपूर्ण चीज़ ग्लीसरीन होती है जो सर्दियों में चेहरे को नमी प्रदान करती है। आप इन तीनों चीज़ों का मिश्रण चेहरे पर लगाइये और उसके 1० मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लीजिये। इससे त्वचा स्वस्थ दिखने लगेगी और रूखापन भी गायब हो जाएगा।

केसर खाएं, दाग-धब्बे हो जाएंगे दूर

केसर के रेशों को आमतौर पर डिप्रेशन में इस्तेमाल किया जाता है ताकि जल्द से जल्द आराम मिल जाए। आयुर्वेदिक दवाओं में भी केसर को अहम माना जाता है। केसर से चेहरे के दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। अगर आंखों के नीचे काले गड्ढे हो गए हैं तो वे भी ठीक हो जाते हैं। साथ ही चेहरे पर दमक आती है। तो आइए जानते हैं केसर के अन्य फायदों के बारे में-

भूख बढ़ाने वाला केसर खाने से भूख खुलकर लगने लगती है। इससे पाचन भी ठीक रहता है। पीरियड्स में राहत दे पीरियड्स के दौरान महिलाओं को होने वाले दर्द में केसर राहत देता है। इसके कोई दुष्परिणाम भी नहीं होते हैं। यह उन दिनों में हारमोन्स को संतुलित बनाए रखने में मददगार साबित होता है। दाने दूर करें केसर से चेहरे पर होने वाले पस भरे दाने व कील-मुहांसे भी ठीक हो जाते हैं। तुलसी, केसर और शहद को मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट लगाएं, बाद में गुनगुने पानी से धो लें।

बालों को झड़ने से रोके केसर से बालों को झड़ने से रोका जा सकता है। एक कटोरे में एक चुटकी केसर, लिकोरिक पाउडर और दूध को अच्छे से मिला लें और इसे बालों पर लगाएं। बाद में धो लें। बालों का झड़ना बंद हो जाए। किडनी स्टोन के उपचार में फायदेमंद केसर के इस्तेमाल से किडनी में होने वाली पथरी का इलाज संभव है। यह बीपी को दुरुस्त बनाए रखता है और पेट दर्द में भी राहत मिलती है। टैनिंग में आराम दे शरीर में धूप पड़ने से कालापन आ जाता है जिसे सन टैनिंग कहा जाता है। केसर के इस्तेमाल से टैनिंग को हटा सकते हैं और त्वचा को वापस सामान्य अवस्था में ला सकते हैं। सीने में जलन अगर किसी को सीने में जलन की समस्या होती है तो उसे केसर से फायदा हो सकता है। याद्दाश्त मजबूत करे केसर से मेमरी स्ट्रॉन्ग हो जाती है। कमजोर याद्दाश्त अच्छी हो जाती है। सीखने की प्रक्रिया में भी केसर का सेवन फायदेमंद होता है। श्वास सम्बंधी समस्या को दूर करे केसर से श्वास सम्बंधी समस्या से छुटकारा मिल जाता है। अस्थमा होने पर केसर जरूर खाना चाहिए, इससे काफी राहत मिलती है।

तेजी से बढ़ रहा बोतल से दूध पिलाने का प्रचलन

अपने बच्चों को सीधे स्तनपान कराने की बजाय पंप या हाथ से निकाले गए दूध पिलाने वाली मांओं की संख्या बढ़ रही है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। स्तनपान को पहले भी शिशुओं और छोटे बच्चों के पोषण, प्रतिरोधी क्षमता, वृद्धि और विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है।

जल्द शुरू होता है आहार:

कनाडा स्थित ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के नर्सिंग के निदेशक मैरी टारंट ने कहा, स्तनपान शिशुओं को पोषण देने की अद्वितीय विधि है। कुछ भी जो विशेष छह महीने के स्तनपान की सिफारिश को कम करता है, एक चिंता का विषय है। अध्ययन से पता चलता है कि ऐसी माएं जो पंप या बोतल के सहारे बच्चों को दूध पिलाती हैं, उन्होंने स्तनपान कराने वाली माताओं की तुलना में जल्दी ही अपने बच्चों को शिशु फार्मूला आहार देना शुरू कर दिया। इस प्रवृत्ति से हमारे अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

हो सकती हैं दिक्कतें:

टारंट ने कहा कि हालांकि हाथ या पंप से निकाला गया दूध शिशु फार्मूला आहार की तुलना में ज्यादा लाभकारी होता है। बोतल से दूध पिलाने पर सांस संबंधी दिक्कतें, अस्थमा, ज्यादा वजन और मुंह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि शिशु फार्मूला से आहार देना, स्तनपान कराने के अनुभव की कमी, योजनाबद्ध सीजेजियन प्रसव और प्रसव बाद काम पर जाना आदि कुछ कारक हैं जो पंप या हाथ से निकाले गए दूध की उच्च दर से जुड़े हुए हैं।

क्या रहे नतीजे:

अध्ययन के लिए टारंट और हांगकांग विश्वविद्यालय के डोरोथी बाई ने हांगकांग में रह रहे 2,००० से ज्यादा माताओं के शिशुओं के पोषण के तरीकों का परीक्षण किया। पांच साल के बाद माताएं बच्चों को सीधे स्तनपान कराने के बजाय शिशुओं को पंप या हाथ से निकाले गए दूध को बोतल के द्वारा पिलाती हैं। टारंट ने सुझाव दिया कि स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए जन्म के पहले चौबीस घंटों में नवजात शिशु को श्रेष्ठ पोषण मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। शोध का प्रकाशन पत्रिका पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में किया गया है।

मृग की शिक्षा

एक राजा को आखेट का नशा था। वह राजकाज छोड़कर हर समय आखेट में लगा रहता था। वह जिससे मिलता उससे आखेट की ही बाते करता। एक बार जब वह आखेट करने पहुंचा तो एक मृग उसके सामने आ खड़ा हुआ। राजा उसे देखकर चकित रह गया। तभी कोमल वाणी में मृग ने कहा, राजन आप प्रतिदिन वन में जाकर जीवों का आखेट करते हैं। कुछ जीव आपके हाथी-घोड़ों द्वारा कुचल दिए जाते है। मेरे शरीर के भीतर कस्तूरी का भंडार है। आपसे प्रार्थना है कि आप इस भंडार को ले लें और वन के प्राणियों का आखेट करना छोड़ दें। मृग की बात सुन राजा विस्मय से बोला, क्या तुम उन्हें बचाने के लिए अपने प्राण देना चाहते हो? तुम जानते हो कस्तुरी पाने के लिए मुझे तुम्हारा वध करना होगा। मृग बोला, राजन आप मुझे मारकर कस्तूरी का भंडार ले लीजिए, पर निरापराध जीवों को मारना छोड़ दीजिए। राजा ने पुनः कहा, तुम्हारा शरीर बहुत सुंदर हैं। तुम्हारे भीतर कस्तूरी का भंडार है। मृग ने उत्तर कहा राजन यह शरीर तो नश्वर है। मैं दूसरों के काम आऊ इससे अच्छी बात क्या हो सकती है। मृग की ज्ञान भरी वाणी ने राजा के मन में प्रकाश पैदा कर दिया। वह सोचने लगा, यह जानवर होकर दूसरों के लिए अपने प्राण दे रहा है और मैं मनुष्य होकर रोज जीवों को मारता हूं। धिक्कार है मुझ पर मृग के वचनों ने उसकी आंखे खोल दी थी। उस दिन से राजा हिंसा छोड़कर सब पर दया करने लगा।

आपके कई कामों को आसान बना देगा शहद

आमतौर पर शहद का इस्तेमाल अलग-अलग तरह के व्यंजन बनाते समय या फिर स्किन केयर रूटीन में किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके अलावा भी अन्य कई तरह से शहद का इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, शहद से जुड़े एक नहीं बल्कि कई बेहतरीन हैक्स हैं, जिनके बारे में कम ही लोगों को पता होता है। चलिए फिर आज शहद से जुड़े कुछ बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

बतौर लिप स्क्रब करें इस्तेमाल

लिप के स्क्रब के तौर पर शहद का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे बनाने के लिए पहले एक कटोरी में एक चम्मच शहद, एक चम्मच नारियल का तेल, दो चम्मच ब्राउन शुगर और आधी चम्मच गुनगुना पानी अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने होंठों पर हल्के हाथों से मसलकर लगाएं और एक से दो मिनट बाद होंठों को गुनगुने पानी से धो लें। यह स्क्रब होंठों की डेड स्किन को हटाकर उन्हें नमी भी प्रदान करता है।

खांसी से मिलेगी राहत

शहद खांसी से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकता है। इसका मुख्य कारण है कि शहद में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं जो खांसी

को दूर करने में कारगर हो सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए दो चम्मच शहद में एक चम्मच अदरक का रस अच्छे से मिलाएं, फिर इसका सेवन करें। यकीन मानिए कुछ दिनों तक लगातार इस तरीके को अपनाने से आपको काफी आराम मिलेगा।

फूल और पौधों को मुरझाने से बचाएं

आमतौर पर लोग घर की सजावट के लिए फूल और पौधों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन वे जल्द ही मुरझा जाते हैं। ऐसे में शहद के इस्तेमाल से उन्हें जल्दी मुरझाने से बचाया जा सकता है क्योंकि इसमें कुछ एंजाइम्स मौजूद होते हैं, जिनके प्रभाव से फूलों और पौधों को हरा-भरा रखने में मदद मिलती है। इसलिए जब भी आप घर को नैचुरल फूलों से सजाना चाहें तो उनके पानी वाले वास में थोड़ा सा शहद का घोल डाल दें।

रूखी और बेजान त्वचा पर चमक लाने में है सहायक

अगर आपकी त्वचा रूखी और बेजान नजर आ रही है तो शहद के इस्तेमाल से त्वचा की खोई रंगत वापस पाई जा सकती है। इसके लिए पहले एक कटोरी में शहद के साथ आवश्यकतानुसार नारियल तेल, ऑलिव ऑयल, चीनी, दूध और एलोवेरा जेल को अच्छे से मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें, फिर उसे त्वचा पर हल्के हाथों से मलें। इससे न सिर्फ त्वचा कोमल बनेगी बल्कि इस पर चमक भी आएगी। (आरएनएस)

7 लोग बैंगन को तुरंत कर दें टाटा-बाय-बाय।।वरना बिगड़ जाएगी सेहत

बैंगन का नाम सुनते ही बहुत से लोग नाक-भौं सिकोड़े लगते हैं। उन्हें यह सब्जी बिल्कुल भी पसंद नहीं होती है लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनका बैंगन फेवरेट होता है। वे इसकी सब्जी, चोखा, भरवा बनाकर खाते हैं। बैंगन एक ऐसी सब्जी है जो सालभर मिलती है। ठंड में इसे ज्यादा खाया जाता है।

सर्दी के मौसम में बैंगन हेल्दी बताया जाता है। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल हो सकता है और दिल की बीमारियों में फायदेमंद माना जाता है। कुछ लोगों को बैंगन से दूरी बनाकर रखनी चाहिए, वरना उनके लिए दिक्कतें बढ़ भी सकती हैं। यहां जानिए किन लोगों को बैंगन भूलकर भी नहीं खाना चाहिए।

अगर किसी को शरीर में किसी तरह की एलर्जी है तो उन्हें बैंगन से बनी कोई भी चीज नहीं खानी चाहिए, वरना उनकी एलर्जी और भी ज्यादा बढ़ सकती है। ऐसे लोगों को डॉक्टर बैंगन खाने से बचने की सलाह देते हैं।

ऐसे लोग जिन्हें डिप्रेशन की समस्या है, उन्हें भी बैंगन नहीं खाना चाहिए, क्योंकि डिप्रेशन में लगातार लोग दवाईयां काते हैं और ऐसे में बैंगन शरीर में पहुंचकर दवाओं के असर को कम कर सकता है।

अगर किसी के शरीर में खून की कमी है तो उन्हें गलती से भी बैंगन नहीं खाना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि बैंगन शरीर में खून बनाने की प्रक्रिया को ही प्रभावित कर सकता है और कई तरह की समस्याएं बढ़ा सकता है।

बैंगन बादी होता है, इसका मतलब इसे खाने से गैस बन सकती है। ऐसे में अगर किसी को गैस या पेट की समस्या होती है तो उन्हें बैंगन से बनी किसी चीज से परहेज करना चाहिए, वरना परेशानी बढ़ सकीत है।

पाइल्स यानी बवासीर बेहद खतरनाक बीमारी है। इसमें डॉक्टर बैंगन खाने से मना करते हैं। ऐसे लोगों अगर गलती से भी बैंगन खा लें तो उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी।

आंखों में जलन, चुभन, एलर्जी और सूजन जैसी समस्याएं हैं तो बैंगन न खाएं, वरना दिक्कतें ज्यादा बढ़ सकती हैं। आंख में होने वाली इन समस्याओं के दौरान बैंगन खाना बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

बैंगन में ऑक्सलेट होता है जो पेट में पथरी बना सकता है। ऐसे में अगर किसी को स्टोन की प्रॉब्लम है तो उन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए।

क्या वाकई बियर पीने से कम हो जाता है हार्ट अटैक का खतरा जान लीजिए सच

एक रिसर्च के मुताबिक रोजाना एक गिलास बियर पीने से दिल काफी ज्यादा सेहतमंद रहता है। एक रिसर्च के मुताबिक बियर पीने के एक घंटे के अंदर नसें अधिक लचीली हो जाती है और हार्ट के अंदर ब्लड सर्कुलेशन भी काफी अच्छा होता है। बियर पीने से दिमाग के डोपामाइन एक्टिव हो जाती है। जिसके कारण हैप्पी मूड रहता है। डोपामाइन हैप्पी हार्मोन होता है।

बियर पीने के फायदे

बियर पीने के बाद यह एक्टिव हो जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं बियर में पके हुए मांस में पाए जाने वाले कार्सिनोजन की संख्य कम करी संख्या होती है। जब भी आप कहीं पार्टी का प्लान करेंगे। तो उससे पहले भरपूर खाना खाएं। क्योंकि जब आप खाली पेट बियर पिएंगे तो इसका आंतों पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण ब्लड में यह जल्दी घुल जाता है। अगर आप खाली पेट शराब पिएंगे तो तेजी से नशा चढ़ता है।

रिसर्च के मुताबिक हार्ट और कैंसर की रोकथाम करता है बियर

कई रिसर्च ये भी बताती हैं कि जो लोग बीयर पीते हैं वो लंबी उम्र तक जीते हैं। हालांकि ये भी कहा जाता है कि बीयर पीने से मोटापा भी बढ़ता है, लेकिन कई रिसर्च बताती हैं सीमित मात्रा में बीयर पीने से वजन नहीं बढ़ता। साथ ही इसमें कैलोरी भी बहुत कम होती है। कई रिसर्च के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति बियर पीता है तो उसकी उम्र लंबी हो जाती है। हालांकि, यह भी कहा जाता है कि बियर पीने से काफी ज्यादा मोटापा भी बढ़ता है।

वहीं कई लोग यह कहते हैं कि सीमित मात्रा में बियर पीने से वजन नहीं बढ़ता है। इससे कैलोरी भी कम होती है। बियर नैचुरली प्रिजरवेटिव होती है। इसमें कोई खास तरह की मिलावट नहीं होती है। यह ब्रेड की तरह फर्मेंटेड करके बनती है। अगर आप सीमित मात्रा में बियर पिएंगे तो कैंसर और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल और गुड कोलेस्ट्रॉल के लिए आप बियर पी सकते हैं। हड्डियां मजबूत करने से लेकर किडनी स्टोन के खतरे से बचाना है तो आप बियर पी सकते हैं। परंतु आपको लिमिट मात्रा में बियर पीना चाहिए।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बच्चियों को त्वचा की देखभाल के लिए नहीं इस्तेमाल करने चाहिए ये उत्पाद, होता है नुकसान

त्वचा की देखभाल करना हर उम्र के लोगों के लिए जरूरी होता है, ताकि त्वचा हमेशा स्वस्थ बनी रहे।हालांकि, सोशल मीडिया पर त्वचा देखभाल के बढ़ते ट्रेंड के कारण बच्चियां भी ऐसे उत्पाद इस्तेमाल कर रही हैं, जो बड़ों के लिए बनाए जाते हैं।इन उत्पादों के उपयोग से बच्चों की त्वचा खराब होती है और उनकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में बच्चों की देखभाल के लिहाज से अपनी बच्चियों को इन उत्पादों से दूर रखें।

पैराबेन

पैराबेन एक तरह का रासायनिक संरक्षक होता है, जिसे आमतौर क्रीम और मेकअप उत्पादों में इस्तेमाल किया जाता है।यह एक प्रकार का अंतस्रावी विघ्नकर्ता होता है, जो बच्चियों के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से हानि पहुंचा सकता है।अंतस्रावी विघटनकारी रसायन (श्वष्ठष्ट) ऐसे पदार्थ होते हैं, जो थाइरोइड के सामान्य कामकाज में बदलाव पैदा कर सकते हैं।पैराबेन का उपयोग बच्चियों के शरीर में हॉर्मोनल बदलाव का कारण बन सकता है।

रेटिनोइड्स

रेटिनोइड्स में झुर्रियों को दूर करने वाले गुण होते हैं, जो एपिडर्मिस के सुरक्षात्मक कार्य को मजबूत करके कोलेजन उत्पादन को बढ़ाते हैं।ये उत्पाद एंटी-एजिंग के लिए यानि बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इसी कारण ये बच्चियों की जवान त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।इससे उनकी त्वचा लाल पड़ सकती है, छिल सकती है या उनकी त्वचा सूरज की किरणों के प्रति अधिक संवेदनशील बन सकती हैं।

ग्लाइकोलिक एसिड

त्वचा विशेषज्ञों के मुताबिक, ग्लाइकोलिक एसिड का उपयोग मुंहासे, हाइपरपिग्मेंटेशन और उम्र बढऩे के लक्षणों के इलाज के लिए किया जाता है।इससे मृत त्वचा कोशिकाएं मिट जाती हैं और त्वचा चमकदार बन जाती है। हालांकि, इस उत्पाद को बच्चियों की त्वचा की देखभाल के लिए इस्तेमाल करना हानिकारक हो सकता है।यह मुलायम त्वचा के लिए कठोर होता है और लालपन, खुजली, त्वचा के छिलने और मुंहासों का कारण बन सकता है।

खुशबु वाले उत्पाद

त्वचा की देखभाल के लिए बनाए गए ज्यादातर उत्पादों में महक या सुगंध को शामिल किया जाता है। बच्चों के उत्पादों में तो ये एक आम बात हो गई है।हालांकि, खुशबु युक्त उत्पाद लगाने से बच्चियों की त्वचा को हानि हो सकती है। इनके उपयोग से बच्चियों को त्वचा की एलर्जी हो सकती हैं और उन्हें खुजली व असुविधा का अनुभव हो सकता है।आप त्वचा को चमकदार बनाने के लिए मधुमोम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सल्फेट्स

सल्फेट्स त्वचा को साफ करने वाले गुणों से लैस होते हैं, जिस कारण इन्हें क्लींजर में इस्तेमाल किया जाता है। इन रसायनों को बच्चियों की त्वचा देखभाल दिनचर्या का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए।सल्फेट्स ऐसे उत्पाद होते हैं, जो त्वचा के प्राकृतिक तेलों को सोख लेते हैं। साथ ही इनके इस्तेमाल से बच्चियों की त्वचा अधिक रूखी बन जाती है और मुंहासों का खतरा बढ़ जाता है।जानिए त्वचा की देखभाल में कैसे मदद करती है मलाई और एलोवेरा जेल। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 76

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

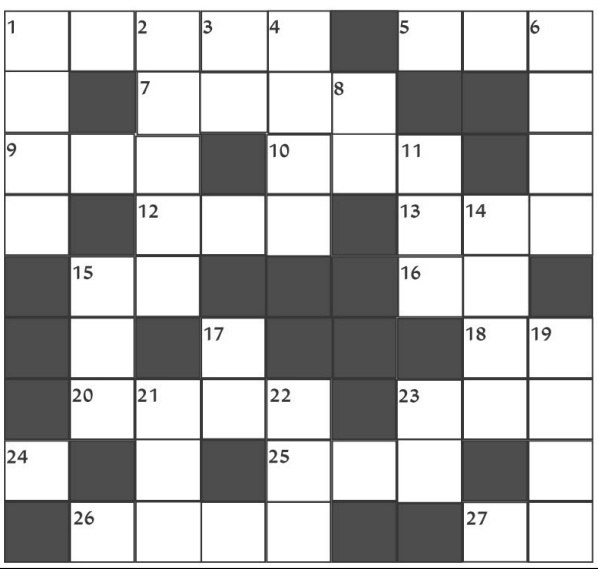

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 75 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

रामसे ब्रदर्स हॉरर सीरीज बंद दरवाजे के पीछे से कराएंगे डर का अनुभव

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता और रामसे ब्रदर्स के सागर रामसे अब एक नई हॉरर सीरीज बंद दरवाजे के पीछे बना रहे हैं। सागर रामसे का कहना है कि यह सीरीज मनोवैज्ञानिक हॉरर का एक नया और अनोखा पहलू प्रस्तुत करेगी, जो दर्शकों को डरने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करेगी।

90 के दशक में वीराना, पुरानी हवेली, तहखाना और होटल जैसी फिल्मों के साथ रामसे ब्रदर्स हॉरर स्टाइल में एक जाना-पहचाना नाम था। हालांकि, ब्रदर्स ने फिल्में बनाना बंद कर दिया था, लेकिन वे अब एक हॉरर शो के साथ वापस आ गए हैं।

सीरीज के बारे में बात करते हुए सागर ने कहा, हमारी सीरीज एक ताज़ा स्क्रिप्ट है जो मनोवैज्ञानिक हॉरर के अन्वेषणों में गहराई से उतरती है। सीरीज एक साहसिक नई दिशा की यात्रा है, जिसमें आधुनिक कहानी के साथ साहसिक यात्राएं शामिल हैं, जो दर्शकों को एक रोलर कोस्टर राइड पर ले जाने का वादा करती है।

उन्होंने कहा, स्क्रिप्ट को आज के दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सावधानी से तैयार किया गया है, जिसमें डर, रोमांच, रहस्य और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हॉरर का एक अनोखा मिश्रण है, जो इसे अलग बनाता है। यह श्रृंखला डार्क, मिस्ट्री और सुपरनैचुरल घटनाओं पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि यह शो ऑल्ट पर स्ट्रीम होगा और वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ काम कर खुश हैं। उन्होंने कहा कि ऑल्ट से उनका संबंध अविश्वसनीय रूप से सहयोगी और संतोषजनक रहा है। अंत में हम सभी अपने दर्शकों के लिए काम करते हैं।

उन्होंने ऑल्ट के लिए अपना प्यार साझा किया है और कहा कि कई सालों से उनके फॉलोअर्स में साल-दर-साल वृद्धि हुई है, और हमें उम्मीद है कि हम इसमें और अधिक जोड़ पाएंगे, जबकि हमें अपनी रचनात्मकता के लिए सराहा जाएगा।

सागर ने कहा, ऑल्ट का समर्थन हमें हॉरर कहानी सुनाने की सीमाओं को तोडऩे की अनुमति देता है, यह सुनिश्चित करता है कि सीरीज एक व्यापक और अधिक विविध दर्शकों तक पहुंचे। प्लेटफार्म की उच्च-गुणवत्ता वाली सामग्री और नवाचार में प्रतिबद्धता इस सीरीज के साथ हमारे उद्देश्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, जो इस साझेदारी को प्राकृतिक रूप से फिट बनाती है। एक साथ, हम एक वास्तव में अनोखा देखने का अनुभव प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं।(आरएनएस)

रोशन कनकला के अगले शीर्षक से उठा पर्दा, फिल्म मोगली से फर्स्ट लुक पोस्टर भी आउट

पीपल मीडिया फैक्ट्री के दूरदर्शी निर्माता टीजी विश्व प्रसाद, जो कई तरह के अभिनेताओं और विशिष्ट स्क्रिप्ट वाली कई फिल्में बनाते रहे हैं, ने एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट की घोषणा की। निर्देशक संदीप राज, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म कलर फोटो के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था, जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित एक समकालीन प्रेम कहानी के लिए उभरते हुए प्रतिभाशाली रोशन कनकला के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले सबसे कम उम्र के निर्देशक संदीप राज ने कलर फोटो जैसी भावनात्मक गहराई से सजी एक और दिल को छू लेने वाली कहानी गढ़ी है। रोशन कनकला, जिन्होंने अपने सहज अभिनय और सुंदर नृत्य के लिए बहुत प्रशंसा प्राप्त की, नई फिल्म में एक अलग भूमिका में दिखाई देंगे, जिसका नाम दिलचस्प है मोगली।

फर्स्ट लुक पोस्टर में रोशन कनकला एक बनियान पहने हुए अपनी मांसपेशियों को दिखाते हुए और एक आकर्षक मुस्कान बिखेरते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह घने जंगल के बीच में एक घोड़े के साथ दिखाई दे रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं, मोगली जंगल बुक का एक लोकप्रिय पात्र है, और इस नई कहानी में भी जंगल की पृष्ठभूमि है। यह देखने में आकर्षक फर्स्ट लुक पोस्टर बहुत ही सुखद लग रहा है, जबकि रोशन शांत दिखाई दे रहे हैं।

फिल्म में नायक और खलनायक दोनों की भूमिकाएँ प्रमुखता से दिखाई जाएँगी, हालाँकि खलनायक की कास्टिंग अभी गुप्त रखी गई है।

मोगली में एक प्रतिभाशाली तकनीकी टीम है, जिसमें कलर फोटो के लिए अपने हिट एल्बम के लिए जाने जाने वाले काला भैरव शामिल हैं, जो संगीत की रचना करेंगे, और बाहुबली 1 और 2, और आरआरआर जैसी ब्लॉकबस्टर परियोजनाओं के मुख्य सहयोगी छायाकार राम मारुति एम, छायांकन का काम संभालेंगे। कलर फोटो, मेजर और आगामी गुडाचारी 2 जैसी हिट फिल्मों के संपादक पवनकल्याण फिल्म का संपादन करेंगे। निर्माताओं ने मोगली को 2025 की गर्मियों में रिलीज़ करने की घोषणा की है।(आरएनएस)

मौनी रॉय के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, फोटोज शेयर होते ही हो गई वायरल

बी-टाउन की खूबसूरत अभिनेत्री मौनी रॉय आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच बवाल मचाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर का आउटफिट पहना हुआ है और उसके साथ स्टाइलिश लुक में रेड कलर की स्कर्ट कैरी की है।

एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके चाहने वाले उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। मौनी रॉय की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं लोग हॉट एंड गॉर्जियस, सो ब्यूटिफुल और ग्लैमरस जैसे कॉमेंट्स कर रहे हैं।

मौनी रॉय को फोटोज शेयर किए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं।(आरएनएस)

महेश बाबू की आवाज में मुफासा का तेलुगू ट्रेलर रिलीज

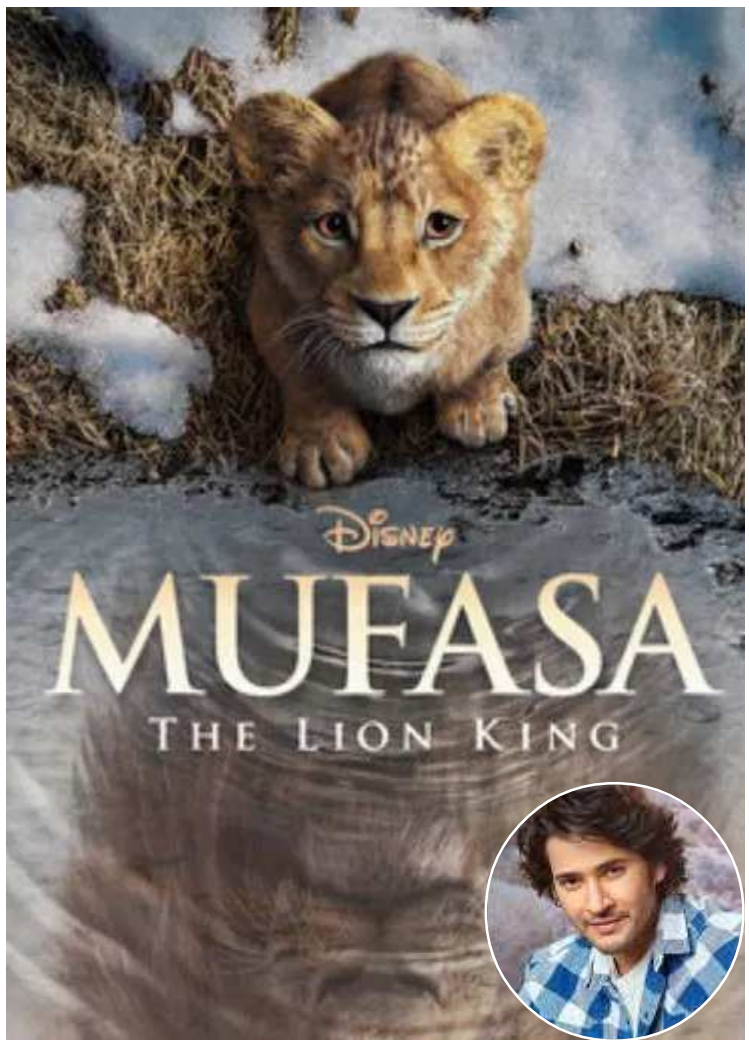

मुफासा: द लायन किंग के मेकर्स ने फिल्म का तेलुगू ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म के तेलुगू वर्जन में साउथ सुपरस्टार महेश बाबू ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी है। इससे पहले मेकर्स ने मुफासा: द लायन किंग का अंग्रेजी और हिंदी वर्जन में ट्रेलर लॉन्च किया था।

महेश बाबू ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर मुफासा: द लायन किंग का तेलुगू वर्जन का ट्रेलर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, उस किरदार को एक नया आयाम जिसे हम जानते हैं और प्यार करते हैं। तेलुगु में मुफासा की आवाज बनने के लिए काफी एक्साइडेट हूं। क्लासिक का बहुत बड़ा फैन होने के नाते, यह मेरे लिए एक खास बात है। राजा की जय हो।

मुफासा: द लायन किंग तेलुगू ट्रेलर में महेश बाबू की पत्नी-एक्ट्रेस नम्रता ने खुद को अपने पति की तारीफ करने से रोक नहीं पाई। नम्रता ने अपने इंस्टाग्राम पर मुफासा: द लायन किंग का तेलुगू ट्रेलर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, हमारे घर का राजा अब जंगल का राजा है। आपको तेलुगु में मुफासा के लाइफ को बयां करते हुए देखकर गर्व हो रहा है।

फिल्म के ट्रेलर को सुपरस्टार की बेटी सितारा का भी सपोर्ट मिला है। सितारा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर मुफासा: द लायन किंग का तेलुगू ट्रेलर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, तेलुगू में आपको मुफासा के रूप में सुनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

फैंस को खुश करने के लिए फिल्म में कई टैलेंटेड स्टार कास्ट है। फिल्म में अवॉर्ड विनिं सॉन्ग राइटर लिन-मैनुअल मिरांडा भी हैं, जो फिल्म के गाने लिखे हैं। इसका निर्माण मार्क मैनसिना और मिरांडा ने किया गया है। सितारों से सजी यह फिल्म अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म पुष्पा- द रूल को टक्कर देने के लिए 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में उतरेगी।

हरियाणा:राजनीतिक हाशिये पर बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल के परिवार

आर के सिंह

राजनीति भी अजब खेल है। दशकों तक हरियाणा में राजनीति के केंद्र रहे तीन लाल- बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल- के परिवार इस विधानसभा चुनाव में हाशिये पर हैं। तीनों लालों ने अपनी राजनीति की शुरूआत कांग्रेस से ही की थी, लेकिन तीनों ने ही कांग्रेस छोड़ी भी। तथ्य यह भी है कि पिछले दस साल से हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा देवीलाल और बंसीलाल के दल के साथ गठबंधन कर राजनीति करती रही, लेकिन पिछले एक दशक में तीनों लाल परिवार उसका कमल थामे नजर आये।

चौधरी बंसीलाल इंदिरा गांधी के समय बड़े नेताओं में शुमार थे

चौधरी बंसीलाल इंदिरा गांधी के समय बड़े नेताओं में गिने जाते थे। इंदिरा के चर्चित बेटे संजय गांधी के भी वे करीबी रहे। वे केंद्र में मंत्री रहने के अलावा तीन बार हरियाणा के मुख्यमंत्री भी रहे। उन्हें 'आधुनिक हरियाणा का निर्माता' कहा जाता है। तीसरी बार वे हरियाणा विकास पार्टी बना कर भाजपा से गठबंधन में चुनाव जीत कर मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा द्वारा समर्थन वापसी के चलते बंसीलाल सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पायी। साल 2004 में बंसीलाल और उनके बेटे सुरेंद्र सिंह ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में 2005 में कांग्रेस के सत्ता में आने पर सुरेंद्र सिंह मंत्री भी बनाये गये। एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी किरण चौधरी ने परिवार की राजनीतिक विरासत संभाली, जो उससे पहले दिल्ली में कांग्रेस की बड़ी नेता थीं।

देवीलाल सबसे ज्यादा पांच बार मुख्यमंत्री रहे

हरियाणा में गैर-कांग्रेसी राजनीति की धुरी बने देवीलाल सबसे ज्यादा पांच बार मुख्यमंत्री रहे, पर उनका कार्यकाल कभी लंबा नहीं रहा। जनसंघ और भाजपा से उनके अच्छे रिश्ते रहे। 'ताऊ' के संबोधन से लोकप्रिय देवीलाल देश के उप-प्रधानमंत्री भी बने। उनके बेटे ओमप्रकाश चौटाला, जो उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी बने, ने भी भाजपा के साथ गठबंधन सरकार चलायी। उसी कार्यकाल में दोनों में तल्खियां बढ़ीं और रास्ते अलग हो गये। साल 2018 में चौटाला परिवार और उसकी पार्टी इनेलो टूटी, तो बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला ने जननायक जनता पार्टी (जजपा) बना ली। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से वंचित रह गयी, तो 10 विधायकों वाली जजपा से गठबंधन हुआ और देवीलाल की चौथी पीढ़ी के दुष्यंत चौटाला उप-मुख्यमंत्री बने।

भजनलाल तीन बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे

भजनलाल तीन बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। वे केंद्र में मंत्री भी रहे। राजनीतिक जोड़तोड़ के मामले में उन्हें 'पीएचडी' कहा जाता था। केंद्र में नरसिंह राव सरकार को अल्पमत से बहुमत में बदलने में उनकी भूमिका की अक्सर चर्चा होती है। उनके दोनों बेटे- चंद्रमोहन और कुलदीप बिश्नोई- राजनीति में हैं। चंद्रमोहन कांग्रेस में हैं, जबकि अलग पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजका) बना कर फिर कांग्रेस में लौटने के बाद कुलदीप अब भाजपा में हैं। साल 2005 में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने से पहले तक हरियाणा की राजनीति इन्हीं तीन लाल परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती रही, पर उसके बाद इनका दबदबा कम होता गया। 'चौथे लाल' के रूप में हरियाणा की सत्ता संभालने वाले मनोहर लाल के कार्यकाल ने तो हालात ऐसे बना दिये कि कल तक जो परिवार हरियाणा की राजनीति की दिशा तय करते थे, आज उनके परिजनों का राजनीतिक भाग्य दूसरे दल और नेता तय कर रहे हैं। हुड्डा से लंबी तनातनी के बाद किरण चौधरी को आखिरकार भाजपा की शरण में जाना पड़ा, जिसने उन्हें राज्यसभा सांसद बनाने के बाद अब बेटी श्रुति चौधरी को तोशाम से विधानसभा का टिकट भी दे दिया है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने श्रुति को भिवानी-महेंद्रगढ़ से टिकट नहीं दिया था।

चंद्रमोहन की राजनीति पंचकूला और कालका सीट तक सिमटी

भजनलाल के बड़े बेटे चंद्रमोहन की राजनीति पंचकूला और कालका विधानसभा सीट तक सिमट कर रह गयी है। कुलदीप बिश्नोई का पूरा ध्यान बेटे भव्य को राजनीतिक रूप से स्थापित करने पर है। कभी 'दाता' की हैसियत में रहा भजनलाल परिवार भी अब 'याचक' की मुद्रा में आ गया है। देवीलाल परिवार की कहानी कुछ अलग है। ओमप्रकाश चौटाला अपने छोटे बेटे अभय के साथ मिल कर इनेलो चला रहे हैं, तो बड़े बेटे अजय अपने दोनों बेटों- दुष्यंत और दिग्विजय- के साथ मिल कर जजपा। इन दलों की राजनीतिक हैसियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इनेलो को बसपा से गठबंधन करना पड़ा है, तो जजपा को उनके धुर विरोधी चंद्रशेखर रावण की आजाद समाज पार्टी से। इनेलो और जजपा खुद को प्रदेश की राजनीति में प्रासंगिक बनाये रखने की कोशिश कर रही हैं।

देवीलाल परिवार के कुछ सदस्य भाजपा से भी जुड़े। देवीलाल के बेटे रणजीत सिंह चौटाला तो पिछली बार रानिया से निर्दलीय विधायक बन कर पहले मनोहर लाल और फिर नायब सिंह सैनी सरकार में मंत्री भी रहे। भाजपा ने उन्हें हिसार से लोकसभा चुनाव भी लड़वाया, पर हारने के बाद अब रानिया से विधानसभा टिकट के लायक भी नहीं समझा। सिरसा भाजपा जिलाध्यक्ष रहे आदित्य देवीलाल को भी मंडी डबवाली से टिकट नहीं मिल पाया है। जाहिर है, इस चुनाव में तीनों लाल परिवारों को अपनी राजनीति बचाने के लाले पड़े हैं।

सू- दोकू क्र. 76

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.75का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित

किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार-विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है?

भारत में अन्य स्थलों की तरह ही शिक्षा संस्थानों में भी असहमति या विरोध जताना जोखिम भरा हो चुका है, यह आम तुजर्बा है। लेकिन पूर्व शर्त के तौर पर दाखिले से पहले इस पर हामी भरवाना एक नई घटना के रूप में सामने आया है। इसे इस रूप में भी कहा जा सकता है कि अभी तक जो चलन व्यवहार में था, उसे अब लिखित एवं औपचारिक रूप दिया जा रहा है। खबर मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस) से है। वहां लागू नए हॉनर कोड के तहत छात्रों को दाखिले से पहले यह वचन देना होगा कि वे किसी राजनीतिक और व्यवस्था विरोधी गतिविधियों तथा देशभक्ति विहीन चर्चाओं आदि में हिस्सा नहीं लेंगे। वे ऐसे प्रदर्शनों या धरना आदि में भाग नहीं लेंगे, जिनसे संस्थान के शैक्षिक वातावरण में रुकावट पड़ती हो। हॉनर कोड पर दस्तखत की रवायत 2017 में शुरू की गई थी, जिसमें अब नई शर्तें जोड़ी गई हैं। टिस एक मानित (डीम्ड) विश्वविद्यालय है। इसकी फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा टाटा ग्रुप से आता है।

इस संस्थान ने भारत में जातीय एवं अन्य अस्तमिता आधारित विमर्श को फैलाने में अहम भूमिका निभाई है। इससे जनमत के एक बड़े हिस्से में यह धारणा बनी कि यह प्रगतिशील विचारों का वाहक संस्थान है। मगर देश में बदले माहौल का असर वहां भी हुआ। हाल के वर्षों ऐसे कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे पुरानी धारणा को चोट पहुंची। बहरहाल, ये सवाल सिर्फ किसी संस्थान विशेष का नहीं है। मुद्दा यह है कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी उच्च शिक्षा संस्थान में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार-विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? साथ ही किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है?

आखिर किसी भी संस्थान में, कभी कोई ऐसा मसला खड़ा हो सकता है, जिसका विरोध करना छात्र जरूरी समझें। विरोध की हर गतिविधि से सामान्य वातावरण में बाधा आती है। इसलिए हॉनर कोड की नई शर्तों के प्रति छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित है। बेहतर होगा कि प्रशासन इन्हें तुरंत वापस ले ले। (आरएनएस)

नए गाने के लिए फिर साथ आए आलिया भट्ट-दिलजीत

आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए तैयार है। एक्ट्रेस फिल्म का प्रमोशन जोरशोर से कर रही हैं। हाल ही में राजी एक्ट्रेस ने जिगरा के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ संग दिख रही हैं। दोनों की एक साथ की तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।

आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म जिगरा से जुड़ी जानकारी साझा की। एक्ट्रेस ने पंजाबी सिंगर दिलजीत के साथ फोटो शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, कुर्सियां सब कुछ कह देती हैं।

तस्वीर में आलिया भट्ट और दिलजीत कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं। आलिया की कुर्सी पर द सैड कुडी लिखा है। बगल में बैठे दिलजीत दोसांझ की कुर्सी पर लिखा है, कुड़ी के बारे में गाते है। दोनों स्टार कैमरे की ओर अपना पीठ करके बैठे हुए है। वहीं बैकग्राउंड में रोशनी से जगमगाती जिगरा का टाइटल देखा जा सकता है।

आलिया के पोस्ट करते ही फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए। एक फैन ने कमेंट कर लिखा है, तो आलिया और दिलजीत की सुपरहिट म्यूजिकल जोड़ी आधिकारिक तौर पर बन रही है। हम बहुत उत्साहित हैं। एक दूसरे फैन ने लिखा है, मैं उनके आने वाले एक और धमाकेदार गाने का इंतजार नहीं कर सकता। एक यूजर ने लिखा है, एक और ब्लॉकबस्टर आ गई है। एक अन्य ने कमेंट किया है, अब यह मेरा नया पसंदीदा गाना बनने जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत और जिगरा की सबसे प्रतीक्षित जादुई जोड़ी यहां है। मैं इसके लिए इंतजार नहीं कर सकता। मैं बहुत उत्साहित हूं।

इससे पहले पहले आलिया भट्ट और दिलजीत दोसांझ फिल्म उड़ता पंजाब के गाने इक कुड़ी में पहली बार साथ आए थे। यह गाना काफी हिट हुआ था। फैन्स ने इसे खूब पसंद किया था। अब दोनों जिगरा के नए गाने के लिए एक साथ आने वाले हैं।

आलिया ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जिगरा को को-प्रोड्यूस भी किया है। आलिया भट्ट ने पहली बार 2022 में फिल्म डार्लिंग्स को प्रोड्यूस किया था। फिलहाल आलिया और वेदांग स्टारर 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक बदमाश घायल

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम का देर रात बदमाशो से आमना-सामना हो गया। इस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। जिसे उपचार हेतू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि ऊधमसिंहनगर के जसपुर क्षेत्र में देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई दी है। यह गोलियों बदमाशों और पुलिस के बीच चली है, बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। घटना की सूचना पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार जसपुर क्षेत्र में पिछले दिनों एक लूट की घटना हुई थी। एसएसपी मणिकांत मिश्रा के आदेश पर आरोपियों की तलाश में कई टीमें लगी थी। देर रात पुलिस ने एक बदमाश को घेर लिया। पुलिस के मुताबिक बदमाश ने अपने आप को सरेंडर करने की जगह फायरिंग शुरू कर दी। जिसका पुलिस ने भी जबाब दिया, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा, एसपी काशीपुर अभय सिंह मौके पर पहुंच गए हैं। जहां घायल बदमाश से पूछताछ जारी है।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर चलाया सदस्यता अभियान

देहरादून (सं)। भारतीय जनता पार्टी के अंबेडकर मंडल में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सदस्यता अभियान चलाया। आज भारतीय जनता पार्टी अंबेडकर नगर मंडल धामावाला वार्ड 26 बूथ संख्या 14 में प्रवास पर पूर्व भाजपा पार्षद प्रत्याशी हाजी रईस अंसारी जी ने बताया भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान पर्व की तरह बनाया गया। सबसे पहले सभी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर नमन किया और फिर सभी को भारतीय जनता पार्टी का पटका पहना कर लोगों को सदस्यता दिलाई। रईस अंसारी ने बताया के क्षेत्र में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नमो ऐप और सदस्य मिस कॉल लगाकर सदस्यता ली।

विवाह समारोह में मारपीट करने पर 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। विवाह समारोह में घुसकर मारपीट करने पर पुलिस ने दस लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रबनी गौतमकुण्ड निवासी श्रीमती माधुरी नेगी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज चन्द्रबनी गौतम कुण्ड मन्दिर परिसर में एक विवाह समाहरो सादगी से संपन हो रहा था तभी राधा धोनी तथा उसकी पुत्री सिया धोनी तथा उसके साथ आऐ कुछ लकडे जिन में लकी,सिद्धार्थ प्रधान ,पंकज रावत,विनय धीमान,सनी (रावण),सनी प्रधान, अभिषेक शर्मा, रोबिन क्षेत्री एवम् अन्य द्वारा मन्दिर परिसर में आकर उत्पात मचाया तथा लाठी-डण्डे के साथ उन लोगो के ऊपर हमला कर दिया गंदी-गंदी गालीयाँ देने लगे तथा मन्दिर के पुजारी मंहत हेमराज महराज, अनु तथा उसको बुरी तरह से मारा-पीटा गया और लडको द्वारा उसके साथ छेड़छाड़ कि गई तथा इन लोगो द्वारा उन्हें जान से मारने की ध मकी दी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सरकार नहीं लेगी जमीन वापस... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

ही जाने लेकिन रातो रात सरकार को अब अपने फैसले पर यू टर्न भी लेना पड़ा है जिसे लेकर भी तमाम तरह की चर्चाए आम है।

खैर आखिरकार आज सीएम धामी के निर्देश पर आवास सचिव, जिलाधिकारी, एसएसपी तथा एमडीडीए के अधिकारियो से बातचीत के बाद इस फैसलें को वापस ले लिया गया है। सरकार स्कूल से यह जमीन वापस नहीं लेगी। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने इस आशय के निर्देश जारी कर दिये है। वहीं स्कूल को भी कहा गया है वह छात्र व अभिभावकों के वाहन पार्किंग की व्यवस्था स्कूल में करे जिससे रोड पर ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा न हो।

दुष्कर्म का आरोपी भाजपा नेता मुकेश.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मुकेश बोरा पर लगे गंभीर आरोपों के बाद भाजपा द्वारा उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है वहीं उसके द्वारा अपनी अग्रिम जमानत और गिरफ्तारी पर रोक लगाने के लिए हाई कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया

जा चुका है लेकिन उसे न्यायालय से कोई राहत नहीं मिल सकी है। पुलिस उसकी फरारी में मदद करने वाले चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर चुकी है। तथा अभी बीते दिनों पुलिस ने उसके गांव व नैनीताल के घर कुर्की की कार्यवाही भी की थी। पुलिस प्रशासन और सरकार पर उसकी गिरफ्तारी के लिए चौतरफा दबाव बना हुआ था।

इंटर कॉलेज की छात्राओं ने ली 'स्वच्छता ही सेवा' की शपथ

संवाददाता

नैनीताल । बालिका इंटर कालेज की छात्राओ ने स्वच्छता ही सेवा की शपथ ली ।

आज यहां केंद्रीय संचार ब्यूरो, नैनीताल ने स्वच्छता ही सेवा विषय पर पीएम श्री बालिका इंटर कॉलेज, हल्द्वानी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम संयोजक शर्मिष्ठा बिष्ट ने बताया कि स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में गौरी जोशी को प्रथम, आराध्या मिश्रा को द्वितीय और तनुजा मेलकानी को तृतीय पुरस्कार मिला। भाषण प्रतियोगिता में कंचन को प्रथम, चेतना जोशी द्वितीय और प्रियंका गोस्वामी तृतीय रहीं। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए गीता बिष्ट, प्रियांशी कुमारी, पूजा सक्सेना, खुशी जोशी, मीनाक्षी को प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं कॉलेज की

छात्राओं वंशिका,करिश्मा, पायल, हिमानी, इफत ने स्वच्छता पर संगीतमय प्रस्तुति के साथ गीत प्रस्तुत किये।

क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी नीरज भट्ट ने बताया कि सरकार के निर्देश पर इकाई अलग-अलग संस्थाओं के साथ मिलकर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम कर रही है। अभियान के दौरान एक पेड़ मां के नाम भी लगाए जा रहे हैं। सीबीसी नैनीताल की वरिष्ठ कलाकार शोभा चारक ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भारत सरकार पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा अभियान चला रही है। आज आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय संचार ब्यूरो के आनंद सिंह, शिक्षिका दीपशिखा जोशी, माया चंदोला, नीता उपाध्याय, राखी मठपाल, डिंपल जोशी मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण में हुई धांधलेबाजी की जांच की मांग

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं वरिष्ठ चिन्हित राज्य आंदोलनकारी राजेन्द्र शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण में हुई धांधलेबाजी की जांच कराये जाने एवं दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को लिखे पत्र में राजेन्द्र शाह ने मुख्यमंत्री का ध्यान उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण में हुए फर्जीवाड़े की ओर आकर्षित कराते हुए कहा कि जिस प्रकार राज्य निर्माण हेतु दूसरे चरण के जन आन्दोलन में वर्ष 1994 में जन्मे तथा अजन्मे बच्चो का आंदोलनकारी के रूप में चिन्हीकरण किया गया है उससे चिन्हीकरण की पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ गई है।

राजेन्द्र शाह ने यह भी कहा कि इसके विपरीत राष्ट्रीय धरना स्थल उत्तराखंड चौक जन्तर-मन्तर दिल्ली में वर्षों तक कड़ी धूप, सर्दी एवं बरसात में तन-मन-धन एवं अपना भविष्य दाव पर लगाने वाले राज्य आन्दोलनकारी आज भी चिन्हीकरण की बाट जोह रहे हैं। आपके संज्ञान में यह भी लाना चाहूंगा कि वर्ष 2014 में चिन्हीकरण हेतु निधारित किये गये नियम की धारा-च के चारों बिंदुओं के तहत 217 आंदोलनकारियों का सत्यापन एवं चिन्हीकरण हो चुका था परन्तु उन्हे परिचय पत्र जारी नहीं हो पाये। जबकि वर्ष 2017 में उक्त धारा -च समाप्त होने के उपरान्त भी कुछ लोगों का चयन किया गया जो कि दोहरी नीति का परिचायक है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राज्य आंदोलनकारी चिन्हित समिति द्वारा बुखार और दस्त के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों को लाठीचार्ज में घायल बताकर आंदोलनकारी के रूप में चिन्हीकरण किया गया वह गंभीर जांच का विषय है।

राजेन्द्र शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग की है कि राज्य आन्दोलनकारी चिन्हीकरण के इस फर्जीवाड़े का संज्ञान लेते हुए पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाय तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाय ताकि आन्दोलनकारियों की विश्वसनीयता बनी रहे।

बिजली के दामों में कमी सिर्फ जनता की आंखों में धूल झोंकना: मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि बिजली के दामों में कमी सिर्फ जनता की आंखों में धूल झोंकना जैसा है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि सरकार द्वारा कल हिमाच्छादित क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं के बिलों (विद्युत टैरिफ) में कुछ कमी करने का फरमान जारी किया है, जिसकी सरसरी तौर पर सराहना की जा सकती है, लेकिन अन्य क्षेत्रों में एक किलोवाट तक के विद्युत संयोजनों में भी प्रतिमाह 100 यूनिट तक 50 फीसदी विद्युत टैरिफ माफ करने का काम किया है, जिसको अधिकारियों की वजह से सिर्फ लालागिरी ही कहा जा सकता है। अधिकांश गरीब उपभोक्ताओं का विद्युत मूल्य 200- 300 रुपए रुपए होता है और फिक्स्ड चार्जेस 3 किलो वाट की वजह से 510 रुपए हो रहा है, जिसको बर्दाश्त किया जाना उपभोक्ता के वश में नहीं है। नेगी ने कहा कि प्रतिवर्ष लगभग 15 फीसदी लाइन लॉस में बिजली जाया हो

रही है, जिसकी कीमत लगभग 1000-1500 करोड है ,लेकिन इस लाइन लॉस को कम करने की दिशा में सरकार क्यों ठोस कदम उठाने में हिचक रही है। इस खेल के चलते जनता त्राहि- त्राहि कर रही है। सरकार द्वारा प्रतिमाह यूनिट स्लैब/प्रति किलोवाट फिक्स्ड चार्जेस निर्धारित किया गया है, जिसके नाम पर उपभोक्ताओं को लूटने का काम किया जा रहा है।

नेगी ने कहा कि सरकार की नाकामी उपभोक्ताओं पर भारी पड़ रही है। नेगी ने कहा कि 100 यूनिट तक रुपए 3.40 प्रति यूनिट, 200 यूनिट तक 4.90 एवं 200 से 400 यूनिट तक 6.70 तथा इसके ऊपर 7.35 प्रति यूनिट निर्धारित की गई है तथा इसी प्रकार फिक्स्ड चार्जेस 75 रुपए, 85 घएवं 100 रुपए प्रति किलोवाट/प्रतिमाह निर्धारित किए गए हैं तथा इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी भी उपभोक्ताओं का कष्ट बढ़ा रही है। सरकार को चाहिए था कि फिक्स्ड चार्जेस न्यूनतम करने एवं 100 यूनिट के स्लैब के स्थान पर 150- 200 यूनिट का स्लैब निर्धारित करती। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि विद्युत स्लैब 100 यूनिट के स्थान पर 150- 200 करने व फिक्स्ड चार्जेस कम करने की दिशा में काम करे, जिससे जनता को राहत मिल सके। पत्रकार वार्ता में -हाजी असद, प्रवीण शर्मा पिन्नी व सुशील भारद्वाज मौजूद थे।

एक नजर

मैं कृषि कानूनों के संबंध में अपनी पार्टी के साथ खड़ी हूं और अपने शब्द वापस लेती हूंः कंगना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सांसद और हिंदी सिनेमा कलाकार कंगना रनौत ने अपने बयान पर यू-टर्न लेते हुए एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि मैं कृषि कानूनों के संबंध में अपनी पार्टी के साथ खड़ी हूं और अपने शब्द वापस लेती हूं। कंगना ने कहा, पिछले कुछ दिनों में मीडिया ने मुझसे कृषि कानून पर सवाल किए और मैंने कुछ सुझाव दिए कि किसानों को पीएम से कृषि कानून वापस लाने का निवेदन करना चाहिए। मेरी इस बात से बहुत लोग निराश हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब कृषि कानून आए थे, तो हम बहुत सारे लोगों ने इसका समर्थन किया था, बाद में हमारे बड़ी ही संवेदनशीलता से कृषि कानूनों को वापस ले लिया और ये हम सभी कार्यकर्ताओं का कर्तव्य बनता है कि हम उनके शब्दों की गरिमा बनाए रखें। कंगना रनौत ने कहा, मुझे ये भी ध्यान रखना होगा कि मैं अब कलाकार ही नहीं, बीजेपी कार्यकर्ता हूं। मेरे ओपिनियन अपने नहीं होने चाहिए, वो प्पार्टी का स्टैंड होना चाहिए। अगर मैंने अपने शब्दों या सोच से किसी को निराश किया है, तो मुझे खेद है। मैं अपने शब्द वापस लेती हूं। हिमाचल प्रदेश में अपने निर्वाचन क्षेत्र मंडी में पत्रकारों से बात करते हुए कंगना रनौत ने कहा, मुझे पता है कि यह बयान विवादास्पद हो सकता है लेकिन तीन कृषि कानूनों को वापस लाया जाना चाहिए। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में दूसरे चरण का चुनाव देखने 16 देशों के डिप्लोमैट्स पहुंचे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनाव को देखने के लिए बुधवार को अमेरिका, नॉर्वे, सिंगापुर सहित 16 देशों से आए वरिष्ठ राजनयिकों ने कश्मीर का दौरा किया। यहां आज दूसरे चरण में 26 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। राजनयिकों के कश्मीर दौरे को लेकर अधिकारियों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने घाटी में पहुंचने के तुरंत बाद बडगाम जिले के ओमपोरा में एक मतदान केंद्र का दौरा किया। बडगाम के उपायुक्त अक्षय लाबरू ने मतदान केंद्र की उनकी यात्रा के दौरान पर्यवेक्षकों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी। लाबरू जिला निर्वाचन अधिकारी भी हैं। 16 देशों से आए प्रतिनिधि मंडल में अमेरिका, मैक्सिको, गुयाना, दक्षिण कोरिया, सोमालिया, पनामा, सिंगापुर, नाइजीरिया, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, नॉर्वे, तंजानिया, रवांडा, अल्जीरिया और फिलीपीन के दिल्ली स्थित दूतावासों के राजनयिक शामिल थे। अधिकारिओं ने बताया कि अधिकतर दूतावासों का प्रतिनिधित्व दूतावास प्रभारी और दूतावास के उप प्रमुख करते हैं। अन्य का प्रतिनिधित्व मंत्री-परामर्शदाता और परामर्शदाता स्तर के राजनीतिक अधिकारी करते हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के उभरने के बाद संभवतः यह पहली बार है जब विदेशी पर्यवेक्षकों को चुनाव देखने की अनुमति दी गई है। पूर्ववर्ती सरकारों ने चुनावों के दौरान जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को अनुमति देने के किसी भी सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया था।

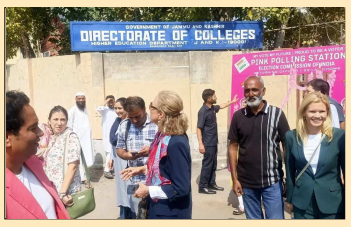

कंगना के बयान से बीजेपी ने किया किनारा, कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बयान को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अब कंगना ने एक बार फिर किसानों से जुड़ा बयान दिया है। हालांकि, कंगना के इस बयान से बीजेपी ने किनारा कर लिया है। पार्टी का कहना है कि यह उनका वयक्तिगत बयान है। इस बीच, कांग्रेस ने कंगना के बयान को लेकर बीजेपी को घेरा है। कांग्रेस ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी 2021 में निरस्त किए गए तीन कानूनों को वापस लाने का प्रयास कर रही है और हरियाणा इसका करारा जवाब देगा। कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कंगना रनौत का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कह रही हैं, जो कृषि कानून निरस्त किए गए हैं उन्हें वापस लाया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह विवादास्पद हो सकता है। किसानों के हित में कानून वापस लाए जाएं। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए, ताकि उनकी समृद्धि में कोई रुकावट नहीं रहे। कांग्रेस ने वीडियो के साथ एक पोस्ट में कहा, किसानों पर थोपे गए तीनों काले कानून वापस लाए जाएं: यह बात बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कही है। देश के 750 से अधिक किसान शहीद हो गए, तब जाकर मोदी सरकार जागी और ये काले कानून वापस लिए गए।

अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो शातिर गिरफ्तार

आठ मोटर साइकिलें व बैटरी रिक्शा बराम, नशापूर्ति के लिए वाहन चोरी की घटनाओं को देते थे अंजाम

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वाहन चोरी मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो अंर्तराज्यीय शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर चुरायी गयी आठ बाइक व एक बैटरी रिक्शा बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना रानीपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पथरी रोड पुल तिराहे से 2 संदिग्ध लोगों अमन कुमार व अंकित को चोरी की अलग अलग बाइक के साथ दबोचा गया। जिनके सम्बन्ध में जानकारी करने पर मोटरसाइकिल स्पलेण्डर प्लस के सम्बन्ध में थाना-ई पुलिस स्टेशन गाजीपुर दिल्ली में मुकदमा व मोटरसाइकिल होण्डा लिवो के सम्बन्ध में थाना भिवानी सदर हरियाणा में मुकदमा पंजीकृत होने पाये गये। जिनकी निशांदेही पर चोरी की 6 अन्य मोटर साईकिले व एक ई- रिक्शा बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार दोनो आरोपी शातिर किस्म के हैं दोनो दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व हरिद्वार जैसे शहरों में भीड़ भाड़ वाली जगहों से वाहन चुराते थे। ज्यादातर स्प्लेंडर बाइक व पुरानी बाइक जिनके लॉक आसानी से खुल जाते हैं उनको टारगेट करते थे व चुराए वाहनों के नंबर प्लेट नहर में फेंक देते थे। दोनो आरोपी 12वीं फेल हैं। आरोपी अंकित आईटीआई का छात्र है। अमन द्वारा थाना नकुड जिला सहारनपुर से वर्ष 2022 में हत्या के प्रयास में भी जेल गया है जो जमानत पर बाहर आया था। दोनो आरोपी नशे के आदी हैं दोनो की आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण दोनो अपनी नशे की लत पूरी करने व अपने महंगे शौक पूरा करने के लिए वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपियों से 8 मोटर साइकिलें व एक ई रिक्शा बरामद किया गया। जिनमें से एक बाइक गाजीपुर दिल्ली, दूसरी भिवानी हरियाणा व तीसरी यमुनानगर हरियाणा व ई रिक्शा कोतवाली नगर हरिद्वार से सम्बन्धित है। अन्य चोरी की मोटर साइकिलों के बारे में जानकारी ली जा रही है।

स्कूल बस की टक्कर से ऑटो चालक की मौत, एक घायल

संवाददाता

देहरादून। स्कूल बस की चपेट में आकर ऑटो चालक की मौत हो गयी जबकि दूसरा गम्भीर रूप से घायल हो गया। बस चालक मौके पर बस छोडकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना प्रेमनगर को सूचना मिली कि प्रेमनगर क्षेत्रांतर्गत डॉक्टर बोहरा वाली सड़क के पास प्रेमनगर से आईएमए की तरफ जा रहे ऑटो को विपरीत दिशा से आ रही एक निजी स्कूल बस के चालक द्वारा तेजी एवं लापरवाही से टक्कर मार दी, जिससे ऑटो चालक एवं ऑटो में बैठा एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुचां तथा दोनो घायल व्यक्तियों को एम्बुलेंस की सहायता से तत्काल उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर डॉक्टर द्वारा दोनो घायलों को प्राथमिक उपचार देने के उपरान्त हायर सेंटर के लिये रैफर किया गया। घायलों के परिजनों द्वारा घायल दोनो व्यक्तियों को महंत इंद्रेश अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान घायल ऑटो चालक सिद्धार्थ सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी डीएल रोड, देहरादून की मृत्यू हो गई तथा गंभीर रूप से घायल दूसरे व्यक्ति अमन निवासी हिमाचल प्रदेश का उपचार चल रहा है। ऑटो को टक्कर मारने वाली निजी स्कूल बस का चालक मौके पर बस को छोडकर फरार हो गया है, बस को पुलिस द्वारा कब्जे में लिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पटाखों के गोदाम में लगी आग, लाखों का सामान जलकर स्वाह

संवाददाता

देहरादून। पटाखों के गोदाम में आग लगने से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गयी। फायर बिग्रेड ने मौके पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक लाखों रूपये के पटाखे जलकर स्वाह हो गये थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर में मनोज कुमार का पटाखों का गोदाम है। आज सुबह जैसे ही वहां से पटाखे फूटने की आवाजे आने लगी तो क्षेत्र में दहशत फैल गयी। आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस व फायर बिग्रेड को दी। सूचना मिलते ही पुलिस व फायर कर्मी मौके पर पहुंचे तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। फायर बिग्रेड ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब लाखों का सामान जलकर स्वाह हो गया था। सम्पर्क करने पर पटेलनगर कोतवाल कमला कुमार लुंठी ने बताया कि फर्स्ट फ्लोर में दो गोदाम किराए पर लिए हुए थे। जिसमें एक मे आज आग लग गयी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

निर्माणधीन मकान से सरिया चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने निर्माणधीन मकान से सरिये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन निवासी श्वेता शर्मा ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह लेन नम्बर तीन में मकान का निर्माण कर रही है। आज जब वह अपने निर्माणधीन मकान पर पहुंची तो उसने देखा कि वहां पर रखे सरिये गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।